مولانا ایم – فاروقی: کیا اس پوری اسکیم کے لئے کوئی تھیکہ دیا گیا ھے یا خود گورنمنت تیپارتمنٹلی اس کام کو کر رھی ھے ?

†[मौलाना एम॰ फारूकी: क्या इस पूरी स्कीम के लिये कोई ठेका दिया गया है या खुद गवर्नमेंट डिपार्टमेंटली इस काम को कर रही है ?]

Shri O. V. ALAGESAN: These are all original schemes. This has been pruned later and another programme has been made and the work is progressing regarding all those schemes.

مولانا ایم – فاروتی: میرے عرض کونے کا مقصد یہ ھے کہ یہ جو ۱۰ کرور روپیہ خرچ کیا جا رہا ھے اور جو کہ استیتمنت میں ھے اس کے لئے کیا کسی کو کنتریکت دیا گیا ھے یا خود گورنمنت اس کام کو دیپارتمنتالی کر رہی ھے ؟

†[मौलाना एम० फारूकी: मेरे ग्रर्ज करने का मकसद यह है कि यह जो १० करोड़ रुपया खर्च किया जा रहा है ग्रौर जो कि स्टेटमेंट में है उसके लिये क्या किसी को काँट्रेक्ट दिया गया है या खुद गवर्नमेंट रूइस काम को डिपार्टमेंटली कर रही हैं।?]

Shri O. V. ALAGESAN: I am sorry I did not follow the hon. Member's previous question. He wants to know whether these works are being done by contractors or they are done departmentally. That will be difficult for me to say. For some of the major works, contractors are employed and some are being done departmentally. It will be very difficult to go into the details because it covers a large number of works.

SHRIMATI VIOLET ALVA: Besides the facts given in this answer, is the work entrusted to any firms?

SHRI O. V. ALAGESAN: There is a contracting firm who are doing the work.

SHRIMATI VIOLET ALVA: May I know the name of that firm?

SHRI O. V. ALAGESAN: I am not able to give it now.

†Hindi transliteration.

REPRESENTATION FROM THE R.M.S., 'N' DIVISION EMPLOYEES

\*309. SHRI S. N. MAZUMDAR: Will the Minister for Communications be pleased to state:

- (a) whether Government have received any representation from the employees of the R.M.S., 'N' Division, regarding the transfer of the head-quarters of the said Division from Calcutta to Cuttack;
- (b) if so, what are the demands raised in that representation; and
- (c) what action Government have taken on these demands?

THE MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR): (a) Yes.

- (b) The demand is that those sections of 'N' Division, running wholly or in major part in the territory of West Bengal and the mail offices of 'N' Division situated within that State, should be transferred from the control of the Director of Posts and Telegraphs, Cuttack, to that of the Postmaster-General, Calcutta. A list of 10 such mail offices and sections was furnished.
- (c) 12 mail offices and sections have been transferred from the 'N' Division to the West Bengal Circle including 7 of the list furnished by the staff in question after keeping administrative requirements in view.

SHRI S. N. MAZUMDAR: He gave a certain number. I have not got it. Will he kindly repeat that answer to enable me to put further questions?

Shri RAJ BAHADUR: The staff gave a list of 10 mail offices and sections. We have transferred 12 mail offices and sections from 'N' Division located at Cuttack to West Bengal Circle. Out of these 12, seven are those which were included by the staff in their list of 10.

SHRI S. N. MAZUMDAR: May I know when these transfers were effected?

Shri RAJ BAHADUR: The decision has been given and I think the transfers should have been effected or, may be, they are in the process of being effected.

1612

ı

SHRI S. N. MAZUMDAR: May I know whether this decision has been communicated to the employees' representatives who submitted the representation?

SHRI RAJ BAHADUR: It must have been known to them by now.

\*310 and \*311. [The questioner (Shri Deokinandan Narayan) was absent. For answer vide cols. 1042—1043 infra.]

## उत्तर प्रदेश में गन्ने का जलाया जाना

- \*३१२. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में बहुत से स्थानों पर किसानों को ग्रपना गन्ना जलाना पड़ा क्योंकि व मिलों द्वारा पेरा नहीं जा सका:
- (ख) यदि हां, तो सरकार ने किसानों की सहायता के लिए क्या कार्यवाही की है; ग्रौर
- (ग) अभी और कितना गन्ना पेरने को रह गया है।

†[Burning of Sugarcane Stocks in Uttar Pradesh

- \*312. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that at many places in Uttar Pradesh farmers had to burn their stocks of sugarcane as the same could not be crushed by sugar mills;
- (b) if so, what steps have been taken by Government to help the farmers; and
- (c) the quantity of sugarcane which still remains to be crushed?]

कृषि मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख) : '-\ -२ -२

- (क) जी, नहीं।
  - (ख) प्रश्न नहीं उठता ।
  - (ग) कुछ नहीं।

†[THE MINISTER FOR AGRICULTURE (DR. P. S. DESHMUKH): (a) No, Sir.

- (b) Does not arise.
- (c) Nil.]

श्री नवाब सिंह चौहान: क्या सरकार को कुछ भी, किसी प्रकार की भी सूचना नहीं ह कि किसानों का जो गन्ना है वह पेरा नहीं जा सका है श्रीर वाकी रह गया है?

डा० पी० एस० देशमुख: हमें कुछ इत्तिला है कि चन्द काश्तकारों का कुछ गन्ना रह गया है मगर ग्राम तौर से जो कुछ भी था वह कश हुग्रा। जो ग्रभी रह गया है वह जो दूसरा सीजन ग्रायेगा उसमें कश होगा।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को इस बात की भी इत्तिला है कि सरकार ने १ रु० ५ ग्राने मन गन्ने की दर मुकर्र कर रखी थी लेकिन फिर भी किसानों को मजबूर हो कर ग्रपना गन्ना द ग्राने मन की दर से बेचना पड़ा है ?

डा॰ पी॰ एस॰ देशमुख: इतने कम भाव से बिकने की कोई इत्तिला हमारे पास नहीं है लेकिन १ रु० ५ ग्राने मन से जो नुकसान होता था उसका ग्रालटरनेटिव यह था कि गुड़ बना लें लेकिन उसमें उनको ग्राधी कीमत भी नहीं ग्राती थी।

श्रीमती सावित्री निगम: क्या मंत्री महोदय को यह विदित है कि कभी कभी मिलों के श्रासपास महीनों तक किसानों को श्रपने गन्ने के साथ इंतजार करना पड़ता है इसलिये कि उनका गन्ना तोल कर मिल वाले ले लें?

डा॰ पी॰ एस॰ देशमुख : यह तो बहुत एग्जैजरेशन है। महीनों तो नहीं, शायद कुछ, देरी होती होगी क्योंकि बहुत ज्यादा गन्ना इस साल भ्राया।

श्रीमती सावित्री निगम: क्या सरकार ने उस हानि का जो कि किसानों को गन्ने के सूखने के कारण उठानी पड़ती है कुछ ग्रंदाजा लगाया है?

डा० पी० एस० देशमुख: जी नहीं, ऐसी कोई शिकायत कम से कम स्टेट गवर्नमेंट्स से हमारे पास नहीं ग्राई है ग्रीर इसका सोल्युशन भी स्टेट गवर्नमेंट्स के सुपुर्द है।

श्रीमती सावित्री निगम : किसान गन्ने से गुड़ भी बनाये इसके इनकरेजमेंट के लिये सरकार ने क्या क्या स्टेप्स लिये हैं?

डा० पी० एस० देशमुख : वैसे तो कोई खास स्टेप्स इस वक्त मुझे याद नहीं है लेकिन हम कोशिश करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा गुड़ पैदा हो । इसके लिये कुछ रिसर्च वगैरह की स्कीम्स जारी हैं।